सफल जीवन

कविता परिचय

आज कल हर व्यक्ति अपने जीवन में सफल होना चाहता है। लेकिन जीवन वही सफल है जो किसी के काम आए। जिस प्रकार प्रकृति बिना किसी स्वार्थ के अपना योगदान देती है, उसी प्रकार हमें भी बिना किसी स्वार्थ के लोगों की मदद करनी चाहिए।

पंक्तियों का अर्थ

यह कविता बताती है कि वही जीवन सफल है जो दूसरों के काम आता है. जिस प्रकार बादल दूसरों के हित के लिए बरसते हैं, पेड़ पथिक को छाया देते हैं, सूरज अंधेरे को उजाला देता है, फूल सुगंध बांटते हैं और चंद्रमा चांदनी देता है, उसी प्रकार मनुष्य का जीवन भी परोपकार में होना चाहिए. हजारों लोग जन्म लेते और मरते हैं, लेकिन उन्हें जल्द ही भुला दिया जाता है. धन्य है वह व्यक्ति जिसकी याद युगों-युगों तक बनी रहती है, क्योंकि उसका जीवन दूसरों के लिए उपयोगी रहा है. संक्षेप में, यह कविता परोपकार और दूसरों के काम आने वाले जीवन के महत्व पर जोर देती है.

अभ्यास कार्य

1. पथिक को कौन छाया प्रदान करता है ?
2. संसार में कैसा व्यक्ति नाम कर सकता है?
3. पेड़ किसका हित करते हैं?
4. अंधेरे को कौन मिटता है?
5. सच्चा दीपक किसे माना गया है?